12. Williams, Raymond : On Ideology, Centre for contemporary cultural Studies, London, 1978
13. Eagleton, Terry : Criticism and Ideology, London, 1976
14. Eagleton, Terry : The Ideology of the Aesthetic, London, 1990
15. Eagleton, Terry : Ideology: An Introduction, London, 1991
16. Lichtheim George : The Concept of Ideology and other essays, New York, 1967

पत्रिकाएँ

1. आलोचना दिनांक 18 अप्रैल–जून 1970, दिल्ली

HIN A07 - अनुवादः सिद्धान्त और प्रविधि

समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

क्रेडिट 4 नोट - आलोचनात्मक प्रश्न (5 X 20)

1. अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एव प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता एव महत्व। बहुभाषी समाज में, परिवर्तनशील वैश्विक परिदृश्य (संम्पर्क साधनों के साथ) में, बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।
2. अनुवाद के प्रकारः सामान्य परिचयः लिप्यान्तरण, शाब्दिक अनुवाद, भावनुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। अनुवाद–प्रक्रिया के विभिन्न प्रारूप। भाषिक अर्थ और संप्रेषण। अनुवाद प्रक्रिया के तीन चरण–विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष–पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की), द्विभाषिक की भूमिका (अर्थातंरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)।
3. सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएँ। सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद मे अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानेवाद में संरचनात्मक भेद। किन्दी दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन।

   (1) 'गीताजंलि' का हिन्दी अनुवाद–हंसकुमार तिवारी।

   (2) अंग्रेजी के हावर्ड फास्ट की क्लासिक कृति 'स्पार्टाकस' का अमृत राय द्वारा हिन्दी में अनूदित उपन्यास 'आदिविद्रोही' तथा गोर्की के उपन्यास 'मदर' का मदनलाल मधु द्वारा अनूदित 'माँ'।

(3) जमैन दार्शनिक हैकल की ' Riddle of The Universe ' का आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा हिन्दी में किया गाया भावानुवाद 'विश्वप्रंपच की भूमिका' (चिंतामणि–3 सं0 नामवर सिंह)।

4. कार्यलयीन अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3 (3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवादः शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर)/ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/ कार्यालय आदेश/ अधिसूचना/ संकल्प–प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/निविदा–संविदा/ विज्ञापन आदि के संबंधित तकनीकीपरक पारिभाषिक शब्दावली।

पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी, बैंक एवं रेल्वे मे प्रयुक्त होने वाली प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।

अनुमोदित ग्रंथ

1. अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएँ : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
2. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण : हरिमोहन, लक्षशिला प्रकाशन, न. दि.
3. अनुवाद सिद्धान्त : डॉ0 भोलानाथ तिवारी, साहित्य सहकार, दिल्ली।
4. अनुवाद शिल्पः समकालीन संदर्भः डॉ0 कुसुम अग्रवाल, साहित्य सहकार, दिल्ली।
5. प्रयोजकमूलक हिन्दी सिद्धान्त और व्यवहारः रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. अनुवाद सिद्धान्त एवं रूपरेखा : डॉ0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग : जी. गोपीनाथ, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त तथा अनुप्रयोगः डॉ0 नगेन्द्र, दिल्ली वि.वि., न.दि.।
9. अनुवाद की सामाजिक भूमिका : सीताराम पालीवाल, सचिन प्रकाशन, दिल्ली

10. प्रशासनिक पत्राचार : (संपा.) डॉ0 सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
11. कार्यालय हिन्दी : डॉ0 प्रमथनाथ मिश्र, अयन प्रकाशन, मेहरौली, न.दि.
12. कार्यालयी अनुवाद निदेशिका : गोपीनाथ श्रीवास्तव, सामायिक प्रकाशन, दिल्ली।
13. बैंको में अनुवाद प्रविधि : डॉ0 कुचितपादम भारतीय अनुवाद परिषद न.दि.
14. प्रशासनिक हिन्दी : डॉ0 पूरनचन्द टंडन पुनीत इंटर प्राइजेज गोल मार्केट, न.दि.
15. विधि पारिभाषिक शब्दावली : भारत सरकार प्रकाशन

HIN A08 -सूरदास

क्रेडिट 4 समय 3 घंटे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4x10)

अध्ययन के विषयः

कृष्णभक्ति काव्यः परम्परा और प्रवृत्तियाँ, सूरदास का जीवन–वृत्त, सूरसागरः प्रतिपाद्य और मौलिकता, साहित्यलहरीः प्रतिपाद्य एवं प्रामाणिकता, सूरसारावलीः प्रतिपाद्य और प्रामाणिकता, सूर की भक्ति–भावना, दार्शनिक चेतना, सौंदर्य दृवि, वात्सल्य एवं श्रृंगार, अध्यात्मः ज्ञान और प्रेम, सूरकाव्य में ब्रज संस्कृति और लोकतत्त्व।

निर्धारित पाठ एवं पाठ्यग्रंथः सूरसागर–सारः धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा0 लिमिटेड, जीरो रोड, इलाहाबाद द्वारा संपादित एवं प्रकाशित पाठांश विनय भक्ति, गोकुललीला, वृन्दावनलीला, राधा कृष्ण तथा उद्धव–संदेश।

संदर्भ–सामग्री

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी : सूरसाहित्य,हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, मुंबई 1956

2. नंददुलारे वाजपेयी : महाकवि समरदास, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली 1952
3. ब्रजेश्वर वर्मा : सूरदास, हिन्दी परिषद, प्रयोग, वि.वि.1950
4. हरबंसलाल शर्मा : सूरदास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1972
5. रामचन्द्र शुक्ल : सूरदास, सरस्वती मंदिर, बनारस 1949
6. मुंशीराम शर्मा 'सोम' : सूर–सौरभ, आचार्य शुक्ल साधना मंदिर, दिल्ली 1953
7. मैनेजर पांडे : कृष्णकाव्य की परंपरा और सूरदास का काव्य, मैक्मिलन दिल्ली 1982
8. दीनदयाल गुप्त : अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय, लखनऊ वि.वि. प्रकाशन लखनऊ
9. प्रेमनारायण टंडन (संपा.): ब्रजभाषा सूर–कोश, लखनऊ वि.वि. लखनऊ
10. प्रभुदयाल मीतल (टीकाकर): साहित्यलहरी, साहित्य संस्थान, मथुरा।

HIN A09 - स्त्री लेखन

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4X10)

इस पाठ्यक्रम में हिन्दी में लिखित स्त्री साहित्य के अध्ययन के साथ ही स्त्री आंदोलन के इतिहास और उन अवधारणों पर विचार किया जाएगा जिससे स्त्री साहित्य की तस्वीर बनती है।

अभिकल्पित पाठ्यक्रम

1. स्त्री–विमर्श और नारीवाद
2. भारतीय समाज में स्त्री की बदलती तस्वीर
3. स्त्री मुक्ति आंदोलन–ऐतिहासिक रूपरेखा

4. भारतीय सामाजिक संरचना और स्त्री प्रश्न
   (पितृसत्तामूलक समाज, नैतिकता बौर मर्यादा का प्रश्न, सांस्कृतिक अस्मिता का संघर्ष स्त्री समानता और स्त्री मुक्ति)
5. दलित–स्त्री–प्रश्न
6. समकालीन संदर्भ और स्त्री लेखन
7. हिन्दी की प्रमुख स्त्री रचनाकारों एवं रचनाओं का अध्ययनः–

कविता

1. काव्यायनी : एक भूतपूर्व नगरवधू की दुर्गपति से प्रार्थना, त्रियाचरित्रं पुरुषस्य भाग्यम् (हंस अगस्त 95 अंक से)
2. अनामिका : बाहर का आदमी, चुटपुटिया बटन (दूध–धान संकलन से)
3. अनिता वर्मा : दर्द कई जगह (समकालीन सृजन 23 वर्ष 2006 से)
4. नीलेश रघुवंशी : जंगल और जड़ खुदजाएँ (उपरोक्त से)
5. सविता सिंह : कृतश हूँ मेरी कविता, नाच
6. कृष्णा सोबती : इतिहास जो नहीं है (जिंदगीनामा का आरम्भिक बयान)
7. गगन गिल : अँधेरे में बुद्ध, चिट्ठी (ताना–बाना से)

कहानी

1. मैत्रेयी पुष्पा : ललमनियां काव्यायनी
2. गीतांजलिश्री : भीतराग
3. सारा राय : बारिश
4. जया जादवानीः मुक्ति
5. इंदिरा राय : पल भर का सच

जीवनी

मन्नू भण्डारी : एक कहानी यह भी

वैचारिक

उपनिवेश में स्त्री : मुक्तिकामना की दस वार्ताएं – प्रभा खेतान

अनुमोदित ग्रंथ

1. प्रभा खेतान : बाजार के बीच बाजार के खिलाफः भूमंडलीकरण और स्त्री के प्रश्न, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2004

भूमंडलीकरणः ब्रांड संस्कृति और राष्ट्र, सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली 2007

उपनिवेश में स्त्रीः मुक्तिकामना की दस वार्ताएं, राजकमल प्रकाशन दिल्ली

2. सीमोन द बोउवारः स्त्री उपेक्षिता (अनु0 प्रभा खेतान), हिन्द पाकेट बुक्स, दिल्ली. 2002

3. महादेवी वर्मा : श्रृंखला की कड़ियां, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद--1942

4. डॉ0 राधा कुमारः (अनु. रमाशंकर) स्त्री संघर्ष का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2002

5. जे एस मिल : (अनु युगांक धीर) स्त्री पराधीनता संवाद प्रकाशन मेरठ 2002

6. अनामिका : स्त्रीत्व का मानचित्र, अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली 2002

7. रमणिका गुप्ताः स्त्री विमर्श, शिल्पायन, दिल्ली 2004

8. राजकिशोर (सं.): स्त्री के लिए जगह, वाणी प्रकाशन, 2002

स्त्री परम्परा और आधुनिकता वाणी प्रकाशन, 2002

9. राजेन्द्र यादव : आदमी की निगाह में औरत, राजकमल प्रकाशन दिल्ली 2001

औरत उत्तरकथा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली 2002

10. अरविन्द जैन : औरत होने की सजा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली 1994

स्त्रीः अस्मिता और अस्तित्व, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

11. क्षमा शर्मा : स्त्री का समय, मेधा बुक्स, दिल्ली, 1998

12. जगदीश्वर चतुर्वेदीः स्त्रीवादी साहित्य विमर्श, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रब्यूटर्स, नई दिल्ली, 2006

13. जगदीश्वर चतुर्वेदी, सुधा सिंह (सं. एवं संपा): स्त्री काव्यधारा, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रब्यूटर्स, नई दिल्ली, 2006

14. रेखा कस्तवार : स्त्री चिंतन की चुनौतियां, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2006

15. विमल थोरात : दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रब्यूटर्स, नई दिल्ली, 2008

16. गोपी जोशी : भारत में स्त्री असमानता: एक विमर्श हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, नई दिल्ली–2006

17. राजेन्द्र सादव, अर्चना वर्मा (सं.): अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2001

18. कात्यायनी : दुर्ग द्वार पर दस्तक, परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ, 1997

19. पंडिता रमाबाई: हिन्दू स्त्री का जीवन संवाद प्रकाशन, मुंबई, 2006

20. डॉ0 धर्मवीर (सं.): सीमान्त उपदेश वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004

21. Singh, Sushila-Feminisim, Theory, Criticism, Analysis, Pen Craft int. Delhi 1977

22. Kukum/Sidhesh (Ed)- Recasting Women Kali for women, Delhi 1989

23. Millet Kate- Sexual Politics, New York, Doubleday, 1970

24. Jane Freedman-Feminism, Viva Book Pvt Ltd, New Delhi

25. Rosemarie Tong-Feminst thought: A Comprehensive Introduction, West View Press, Boulder and Sen Francisco. 1989

26. Sharmila Rege- Writing Caste/ Writing Gender: Narrating Dalit Women's Testimonios, Zubaan, New Delhi-2006

27. रमणिका गुप्ता : स्त्री विमर्श कलम और कुदाल के बहाने, शिल्पायन न.दि. 2004

पत्रिका (विशेषांक)

1. वसुधा – स्त्री विमर्श विशेषांक– अंक 59–60 स्त्री मुक्ति का सपना

2. हंस – स्त्री विमर्श विशेषांक अक्टूबर–04, अगस्त 04

HIN B01 - राजस्थानी भाषा और साहित्य

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे नोट – आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) अथवा (4X10) पूर्णांक 100

1. भारतीय भाषाओं मे राजस्थानी का महत्व, राजस्थानी की प्रमुख विशेंषताएँ एवं प्रमुख बोलियाँ, राजस्थानी भाषा का इतिहास।

2. राजस्थानी साहित्य : गद्य एवं पद्य : निर्धारित पाठ

गद्य ' राजस्थानी गद्य चयनिका, सं. ब्रजनारायण पुरोहित, श्याम प्रकाशन, जयपुर

अचलदास खींची री वचनिका, सं. भूपतिराम साकरियां, पचंशील, जयपुर

(50)

पद्यः वंलि क्रिसन रूकमणी : पृथ्वी राठौड़, संपा नरोत्तम स्वामीः श्रीराम मेहरा एंड कं0 आगरा

(प्रांरम्भ से 225 ठंद बंसत वर्णन से पूर्व तक)

अंक विभाजनः

गद्य एवं पद्य की प्रत्येक पुस्तक से एक–एक व्याख्या होगी। 28 अंक

राजस्थानी भाषा की विशेषता, व्याकरण अथवा भाषा के इतिहास से संबंधित एक प्रश्न 16 अंक

राजस्थानी गद्य साहित्य चयनिका अथवा वचनिका से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक

राजस्थानी गद्य साहित्य बेलि अथवा रसधारा से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक

राजस्थानी साहित्य (गद्य–पद्य) के इतिहास से संबंधित दो टिप्पणियाँ (आंतरिक विकल्प देय, शब्द सीमा 300 शब्द) 24 अंक

पाँचवा प्रश्न टिप्पणीपरक होगा जिसमें दो टिप्पणियाँ 12–12 अंक अर्थात कुल 24 अंक की पूठी जायेंगी। दय टिप्पणीपरक प्रश्न में गद्य एवं पद्य के दतिहास से संअंणित टिप्पणियाँ होंगी। (आंतरिक विकल्प देय, शब्द–सीमा 300 शब्द होगी।)

अनुमोदित ग्रंथ

1. सुनीति कुमार चटर्जीः राजस्थानी शोध संस्थान उदयपुर।
2. डॉ0 तेसीतोरी (अनु. डॉ0 नामवर सिंह): पुरानी राजस्थानी, ना0 प्रचा. सभा, वाराणसी।
3. सीताराम लालसः राजस्थानी व्याकरण, जोधपुर।
4. डॉ0 नरोत्तमस्वामीः संक्षिप्त राजस्थानी व्याकरण, सार्दुल, राजस्थानी रिसर्च।
5. डॉ0 मोतीलाल मेनारियाः राजस्थानी भाषा और साहित्य, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
6. ग्रियर्सन : राजस्थान भाषा सर्वेक्षण (अनु. डॉ0आत्माराम जाडोरिया, राजस्थान भाषाप्रचार सभा., जयपुर)

7. डॉ0 भूपतिराम साकरिया तथा बद्री प्रसाद साकरियाः राजस्थानी हिन्दी – भाषा कोष भाग –2, पंचशील जयपुर
8. डॉ0 कृष्णबिहारी सहल : ढोला मारू रा दूहा : एक अध्ययन, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली।
9. श्रीमति ऊषा शर्मा : रूकमणहरण फूलाकृतः विश्लेषण एवं मूल्याकंन, ऊषा पब्लिशिंग हाउस, जोधपुर।
10. डॉ0 शिवस्वरूप शर्मा (संपा.) : राजस्थानी गद्यउद्भव और विकास, सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्सूट, बीकानेर।
11. डॉ0 किरण नाहटाः आधुनिक राजस्थानी साहित्यः प्रेरणास्त्रोत और प्रवृतियाँ
12. डॉ0 शंभूसिंह मनोहर : राजस्थानी शोध निंबध।

HIN B02 - विशेष साहित्यकार का अध्ययनः तुलसीदास

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4X10)

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत निर्धारित कवि के जीवन और कृतित्व का समग्र अध्ययन अपेक्षित है।

निर्धारित कवि–तुलसीदास

अध्ययन के मुख्य बिन्दु

1. भारतीय इतिहास का मध्यकाल औरत तुलसीदास।
2. विचारधारा के रूप में भक्ति का उदय, विकास एवं राम भक्ति शाखा।
3. तुलसीदास का जीवन और उनके सुग का सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिदृश्य।
4. मध्य युगीन लोक जागरण और तुलसी का काव्य।
5. तुलसीदास की सामाजिक और दार्शनिक मान्यताएँ (रामचरितमानस और कवितावली के परिप्रेक्ष्य में)।
6. तुलसीदास की भक्ति–पद्धति (संदर्थ : विनयपत्रिका) और जीवन–दृष्टि (संदर्भः दोहावली)।

7. लोकजीवन और तुलसीदास का काव्य।
8. तुलसीदास की काव्य–भाषा।
9. भक्ति के मूल्यांकन–संबंधी समस्याएँ और तुलसीदास।
10. तुलसीदास की कविता का वैश्विक परिदृश्य।

रामचरितमानस : अयाध्याकांड

विनय पत्रिका : 165 से 189

कवितावली : 1 से 50

दोहावली : 1 से 50

संदर्भ ग्रंथ

1. रामचन्द्र शुक्ल सभा : तुलसीदास ग्रन्थवाली भाग 1,2,3, वाराणसी, न0प्र0
2. रामचन्द्र शुक्ल : गोस्वामी तुलसीदास, वाराणसी, 1972
3. कामिल बुल्के 1980 : रामकथाः उत्पति एवं विकास, प्रयाग विश्वविद्यालय,
4. रमेश कुन्तल मेघ : तुलसी आधुनिक वातायन से दिल्ली, 1973
5. प्रेमशंकर : रामकथा और तुलसी, दिल्ली, 1977
6. शिवकुमार मिश्र : भक्तिकाव्य और लोकजीवन, दिल्ली, 1993
7. विश्वनाथ त्रिपाठी 1974 : लोकवादी तुलसी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,
8. बलदेव प्रसाद मिश्र 2005 : तुलसी दर्शन–हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग सं0,
9. उदयभान सिंह 1977 : तुलस काव्य मीमांसा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,
10. भगीरथ मिश्र : महाकवि तुलसीदास और युग संदर्भ, इलाहाबाद, 1973
11. केसरी नारायण शुक्ल : मानस की रासी भूमिका विद्या मंदिर, लखनऊ, 1955
12. डॉ0 केशव प्रसाद सिंह: तुलसी संदर्भ और दृष्टि हिन्द प्रचारक, वाराणसी, 1974
13. श्री कृष्णलाल : मानस दर्शन आनन्द पुस्तक भवन, वाराणसी, 1949

14. सावित्री चन्द्रा : रामचरित मानस, साहित्य कुटीर, प्रयाग, 1949

15. Savitri Chandra Shobha: Social Life and Concepts in Medival Hindi Bhakti Poetry, Chaudrayan Publications, Meerut, 1983

HIN B03- रांगेय राघव

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4x10)

1. रांगेय राघव का रचनाकार व्यक्तित्व का विकास
2. रांगेय राघव का रचना संसार
3. रांगेय राघव की उपलब्धियां – हिन्दी साहित्य को रांगेय राघव की देन।

पाठ्य–पुस्तकें–

1. कब तक पुकारूं (उपन्यास)– रांगेय राघव
2. पांचाली (खण्डकाव्य)– रांगेय राघव– पंचशील प्रकाशन, जयपुर
3. मेरी प्रिय कहानियांः रांगेय राघव, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली 1984

(उपर्युक्त तीनों पुस्तकों में से कब तक पुकारूं से दो व्याख्या तथा शेष दो पुस्तकों एक–एक व्याख्या और एक–एक प्रश्न पुछा जायेगा)।

अनुमोदित पुस्तकें

1. हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकासः डॉ0 सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1965
2. उपन्यास की संरचना : डॉ0 गोपाल राय, राजकमल, दिल्ली, 2006
3. हिन्दी उपन्यास–समपादक– भीष्म साहनी, राजकमल, दिल्ली।
4. रांगेय राघवः एक अंतरंग परिचयः श्रीमती सुलोचना राघव, राजपाल, दिल्ली।
5. कथाकार रांगेय राघवः डॉ0 कमलाकार गंगावने, साहित्य रत्नालय, कानपुर।
6. वर्तमान साहित्यः रांगेय राघव विशेषांक, फरवरी–मार्च, 2005
7. रांगेय राघव– एक अन्तर्यात्रा– कल्याण प्रसाद वर्मा, विवेक, जयपुर।

HIN B04 - भारतेन्दु हरिशचन्द्र

क्रेडिट 4

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4X10)

भारतेन्दु और उनका युग : सामान्य परिचय

भारतेन्दु युग की परिस्थितियाँ

भारतीय नवजागरण और भारतेन्दु

भारतेन्दु का गद्य–साहित्य

भारतेन्दु युगीन पत्र–पत्रिकाएँ

पत्रकार भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

भारतेन्दु की नाट्य–दृष्टि

परसी थियेटर इौर भारतेन्दु

भारतेन्दु के नाटको में नवजागरण के स्वर

अंधेर नाटक – आलोचनात्मक अध्ययन

हिन्दी नाटक और रंगमंच के विकास में भारतेन्दु को योगदान

कवि भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

भारतेन्दु के काव्य में परम्परा–निर्वाह और प्रगतिशीलता

भारतेन्दु के काव्य में आधुनिकता और समसामयिकता

भारतेन्दु काव्य में व्यंग्य

भारतेन्दु का काव्य–रचना–विधान और भाषा–शैली

आधुनिक हिन्दी कविता के विकास में भारतेन्दु का योगदान

साहित्यिक व्याखा

नाटक–अंधेर नगरी

काव्य–खण्ड–प्रेमाश्रुवर्षण (छंद संख्या– 4, 14, 19, 20) सतसई सिंगार (छंद संख्या– 2, 5, 13) मधु मुकुल (छंद संख्या– 9,23, 29,) हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान (दोहा संख्या– 5, 8, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43) नये जमाने की मुकरी (1, 2, 3, 4, 5)

पाठ्य पुस्तकः

1. भारतेन्दु समग्र — सं0 हेमन्त शर्मा

सहायक ग्रन्थ:

भारतेन्दु कालीन हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूति	– कमला कनौड़िया
भारतेन्दु और उनके अन्य सहयोगी कवि	– किशोरीलाल गुप्त
भारतेन्दु और उनके पूर्ववर्ती तथा परवर्ती कवि	– किशोरीलाल गुप्त
भारतेन्दु के निबंध	– केसरीनारायण शुक्ल
भारतेन्दु कालीन नाट्य साहित्य	– गोपीनाथ तिवारी
भारतेन्दु के नाट्कों का शास्त्रीय अनुशीलन	– गोपीनाथ तिवारी
भारतेन्दु युग	– रामविलास शर्मा
भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास–परम्परा	– रामविलास शर्मा
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ	– रामविलास शर्मा
भारतेन्दु की विचारधारा	– लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
भारतेन्दु और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	– आरिफ नज़ीर
भारतेन्दु कालीन व्यंग्य–परम्परा	– ब्रजेन्द्रराथ पाण्डेय
भारतेन्दु का नाट्य–साहित्य	– ब्रजेन्द्रराथ पाण्डेय

HIN B05- हिन्दी सिनेमा

समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

क्रेडिट 4 नोट – आलोचनात्मक प्रश्न (5X20)

1. सिनेमा – एक कला माध्यम : विकास का इतिहास

   भारतीय सिनेमा बरक्स हिन्दी सिनेमा

   मूक फिल्मों से प्रारंभिक दौर (सन् 1931 से पहले तक)

2. 1931 में आदर्शवाद / भक्ति से आगे यथार्ववाद, मार्क्सवाद, प्रगतिवाद इप्टा का दौर – सामाजिक सोद्देश्यता–प्रमुख स्वर

   1960 के बाद का सिनेमा – नए वित्त सहयोगियों का आगमन–मनोरंजन का प्राधान्य–लोकनायक बनाम लोकप्रिय नायक–लोकप्रिय फिल्मों का जोर–पूँजी का हस्तक्षेप–व्यक्तिवाद और हिन्दी फिल्मों के सर्वशक्तिमान नायक की परिकल्पना

   1973–कला फिल्मों का दौर–सामाजिक प्रतिरोध की कलात्मक अभिव्यक्ति–श्याम बेनेगल से प्रारंम्भ।

1990–के बाद – बाजारीकरण – पूँजी का संपूर्ण नियंत्रण कलात्मकता – सामाजिक सोद्देश्यता का हाशिये पर आना–उपभोगवादी दृष्टि का केन्द्रीय स्थिति में रहना। डिजीटल तकनीक से नए चमत्कारवाद का प्रवेश।

निष्कर्ष – हिन्दी – फिल्मों में सक्रिय रही प्रमुख प्रवृत्तियाँ उनकी फिल्मकार एवं फिल्में:–

1. निर्देशक की अभिव्यक्ति का माध्यम सशक्त निर्देशक – सभी भारतीय भाषाओं के हिन्दी के (Trend Setter) निर्देशक ।
2. हिन्दी साहित्यकार: फिल्मों में योगदान।
3. साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों की परम्परा।
4. फिल्मों के गीतकार (हिन्दी/उर्दू की सशक्त साझी परम्परा की अभिव्यक्ति)।
5. हिन्दी – फिल्मों में मध्यवर्ग।
6. हिन्दी फिल्मों का स्त्री विमर्श: सशक्त नारी (मदर इंडिया) से आरंभ होकर सजावट का सामान बनना उपभोक्तावादी संस्कृति की चरत परिणति।
7. हिन्दी फिल्मों की सामाजिक संस्कृति: मुस्लिम पात्र – परिदृश्य के केन्द्र से हटकर हाशिये पर चले जाना – मुस्लिम समुदाय का चित्रण – रोमांनी गैरयथार्थवादी/वास्तविकता से दूर हिन्दी फिल्मो मे दूसरे भारतीय समुदाय : मुस्लिम, पारसी, ईसाई, हिन्दी फिल्मों : में प्रवासी भारतीय।
8. दलित – समाज की कथा कहनी फिल्में।
9. फिल्म – समीक्षा।
10. फिल्म का तकनीकी पक्ष – पटकथा/संवाद/गीत संगीत आवयवकि एकता का निरूपण।
11. हिन्दी सिनेमा : मील का पत्थर : निर्देशक और फिल्में
    फिल्म – समीक्षा – आलोचनात्मक टिप्पणी
12. हिन्दी भाषा के विकास एवं विस्तार तथा हिन्दी के अखिल भारतीयकरण में हिन्दी फिल्मों का योगदान।

अनुभोदित पुस्तकें –

1. विनोद भारद्वाज : नया सिनेमा।
2. जयप्रकाश चौकसे : पर्दे के पीछे।
3. हिन्दी सिनेमा : बीसवीं से इक्कीसवीं सदी तक: (संपा0) प्रहलाद अग्रवाल, सहित्य भंडार, इलाहाबाद, 2009।

4. फिल्म निर्देशक : कुलदीप सिन्हा, राधाकृष्ण, न. दि. 2009।
5. भारतीय सिने सिद्धात : अनुपम ओझा, राधाकृष्ण न. दि.।
6. हिन्दी सिनेमा का सच (संपा.) शंभूनाथ, वाणी, न. दि.।
7. धूलों की यात्रा : पंकज राग, राजकमल, न. दि . 2009।
8. बिछुडे सभी बारी–बारी : विमल मित्र, वाणी प्रकाशन, न. दि, ।
9. बाजार के बाजीगर : प्रहलाद अग्रवाल, राजकमल, न. दि. ।
10. फिल्म का सौदर्यशास्त्र और भारतीय सिनेमा : (संपा.) कमला प्रसाद, शिल्पायन दिल्ली।
11. सिनेमा से संवाद : विष्णु खरे, हिन्दी बुक सेंटर, न. दि. 2009।
12. इश्क का जहर भरा प्याला : अनिता पाद्ध्येय, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई।
13. ओ रे माझी : प्रहलाद अग्रवाल, रे माधव प्रकाशन, गाजियाबाद।
14. यादों का सफर : हरीश तिवारी मेघा बुक्स दिल्ली।
15. सुरीली यादें : हरीश तिवारी मेघा बुक्स, दिल्ली।
16. पटकथा लेखन एक परिचय : मनोहरश्याम जोशी, राजकमल, 2009।
17. सिनेमा के बारे में : जावेद अख्तर, राजकमल, न. दि. ।
18. सिनेमा के सौ वर्ष : मनमोहन चड्डा।
19. विनोद भारद्वाज : नया सिनेमा।
20. पर्दे के पीछे : जयप्रकाश चौकसे।
21. सिनेमा और संस्कृति : राही मासूम रजा (संपा./संकलन कुँवरपाल सिंह, वाणी, न. दि.।
22. बांबे टाकीज : राजकुमार केशवानी, वाणी प्रकाशन, न. दि.।
23. महेन्द्र मिश्र : सत्यजीत रायः पाथेर पांचाली और फिल्म जगत, राजकमल न. दि.।
24. विनोद तिवारी : फिल्म पत्र कारिता, वाणी, न. दि. जयपुर।

Books in English:-

1. Making Meaning in Indian Cinema – Ravi Vasudevan
2. Ideology of Hindi Films – Madhave Prasad
3. National Identity in Popular Hindi Cinema – Sunita Chakrovarti

4. India My India and Other Films : An overview – Yabar Abbas
5. Bombay Cinrma : Rajni Mojumdar – University of Meniseta, USA, 2007.

HIN B06- प्रेमचन्द

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X10) व्याख्या (4X10)

1. प्रेमचन्द की जीवनी– उसके कुछ विवादास्पद
2. प्रेमचन्द का साहित्यिक विकास और उसका पक्ष
3. प्रेमचन्द की कृतियों का अध्ययनः–
   क. प्रेमचन्द और किसान प्रश्न
   ख. प्रेमचन्द और राष्ट्रवाद
   ग. प्रेमचन्द और स्त्री–प्रश्न
   घ. प्रेमचन्द और दलित
4. प्रेमचन्द की कलाः कहानी एवं उपन्यास कला।
5. किसी एक उपन्यास का विशेष आलोचनात्मक अध्ययन (गोदान को छोड़कर)
6. कुछ विशिष्ट कहानियों का गबन आलोचनात्मक अध्ययन कफन, पूस की रात, बड़े घर की बेटी, सद्गति, ठाकुर का कुँआ, शतरंज के खिलाड़ी, समरयात्रा सत्याग्रह विध्वंस, ईदगाह, बलिदान, सवा सेर गेहूँ, बूढ़ी काकी, नमक का दारोगा, दो बैलो की कथा।(कुल 15)
7. वैचारिकः राष्ट्रवाद हिन्दी और उसकी समस्याएँ, कौमी भाषा के विषय में, जीवन में साहित्य का स्थान, भारतेन्दु बाबू हरिशचन्द्र (साहित्य का उद्देश्य से)

अनुमोदितग्रंथ

1. हंसराज रहबर : प्रेमचन्दः जीवन और कृतित्व, आत्माराम, दिल्ली–1962
2. अमृतराय : कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद–1962
3. रामविलास शर्मा : प्रेमचन्द और उसका युग, राजकमल, दिल्ली–1989
4. कमलकिशोर गोयनका : प्रेमचन्द कोश, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 1981

: प्रेमचन्दः अध्ययन की नई दिशाएं, साहित्य निधि प्रकाशन, दिल्ली–1981

5. वीर भारत तलवार : किसान, राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचन्द, सौंदर्य बुक सेंटर, दिल्ली–1990

6. वीर भारत तलवार : राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य, सरस्वती पुस्तक भण्डार, दिल्ली, 1994

7. सत्यप्रकाश मिश्र : गोदान का महत्व, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद–1988

8. मीनाक्षी मुखर्जी : रियल्मि एण्ड रिशलिटीः नॉवेल एण्ड सोसायटी इन इंडिया, ओ.यू.पी. दिल्ली 1985

9. गीताजंलि श्री : बिटविन टू वल्डर्स मनोहर, दिल्ली, 1989

10. जाफर रजा : प्रेमचन्दः उर्दू हिन्दी कथाकार लोकभारती इलाहाबाद 1883

11. शिवरानी देवी : प्रेमचन्द घर में, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 1981

12. डॉ0 गोपाल राय : गोदानः अध्ययन की समस्याए, ग्रंथ निकेतन, पटना, 1996

13. अमृतराय : विविध प्रंसग खण्ड 1,2,3 हंस प्रकाशन, इलाहाबाद

14. अमृतराय, मदनगोपालः प्रेमचन्दः चिट्ठी पत्री खण्ड 1,2, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद 1978

15. सं0 मंगल मूर्ति : प्रेमचन्दः पत्र प्रंसग, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद, 1991

16. सं0 कमल किशोर : प्रेमचन्द का अप्राप्य साहित्य, खण्ड 1,2, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 1988

17. मन्मयनाथ गुप्त : प्रेमचन्दः व्यक्ति और साहित्यकार, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद, 1961

18. बिक्टर बालिन : कहानीकार प्रेमचन्द, अप्रितम प्रकाशन, दिल्ली, 1993

19. सं0 सदानंद शाही : दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचन्द, प्रेमचंद साहित्य संस्थान, गोरखपुर, 2002

20. सं0 आलोक राय, मुश्ताक अलीः समक्षः प्रेमचंद की बीस उर्दू–हिन्दी कहानियों का समान्तर पाठ, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय एवं हंस प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002

21. श्रीनाराशण पांडे : प्रेमचंद का संघर्ष शांति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1987

22. नंददुलारे वाजपेयी : प्रेमचंदः एक साहित्यिक विवेचन, राजकमल, दिल्ली, 2000

23. संपादक मुरली मनोहर प्रसाद सिंह रेखा अवस्थीः प्रेमचंदः विगत महत्ता और वर्तमान अर्थकता राजकमल, न.दि. 2006

HIN B07- हिन्दी– साहित्य रूपों का सामाजिक संदर्भ

नोट – समय 3 घन्टे आलोचनात्मक प्रश्न (5 x 20) पूर्णांक 100

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित साहित्य–रूपों की विशिष्टताओं, उनकी उत्पत्ति एवं विलोपन के सामाजिक ऐतिहासिक एवं दार्शनिक संदर्भो का अध्ययन अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम

1. महाकाव्य
2. उपन्यास
3. आधुनिक प्रगीत
4. आत्मकथा

साहित्य–रूपों की ऐतिहासिकता, साहित्य–रूपों की निरंतरता और बदलाव, साहित्य–रूपों में गुणात्मक एवं परिमाणात्मक परिर्वतन के दार्शनिक आधार, अनुभूति की बनावट और साहित्य–रूप, सामाजिक संरचना और साहित्य रूप, विचारधारा अैर साहित्य रूप।

महाकाव्य

पूर्व औधोगिक समाज औश्र महाकाव्य, महाकाव्यों मे मनुष्य और प्रकृति, महाकाव्यों मे इतिहास, मिथक एवं पुराकथाएँ, महाकाव्यों मे सामुदायिक जीवन एवं 'समग्रता' की धारणा, महाकाव्यों के आविर्भव, रूपांतरण और विलोपन के सामाजिक–ऐतिहासिक कारण। महाकाव्यों का भारतीय एवं योरोपीय परिप्रेक्ष्यः संरचनात्मक एवं अवधारणात्मक भेद।

उपन्यास

औद्योगिक क्रांति नवजागरण औश्र मध्यवर्ग का उदयः अमूर्त आदर्शवाद, अतिमानवीय एवं महाख्यानक नायकों की विदायी और आमजन की प्रतिष्ठाः उपन्यास और यथार्थवादः इतिहास राजनीति और मानव–नियति का नया रचनात्मक परिप्रेक्ष्यः उपन्यासों में समस्यामूलक नायक का उदयः भारतीय उपन्यास की अवधारणा : योरोप में उपन्यास– मध्यवर्ग के जीवन का महाकाव्य। भारतीय उवं औपनिवेशका समाजों में उपन्यास– कृषक समाज का महाकाव्य। उपन्यास–रूप एवं अन्तर्वस्तु। कुछ विशिष्ट उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन (गोर्की का 'मदर' और प्रमचन्द का 'गोदान'।)

आधुनिक प्रगीत और आत्मकथा

- आधुनिक प्रगीत और आत्मकथाः समाज और व्यक्तिः संबंधों का द्वन्द्व।
- आधुनिक प्रगीत एवं मध्यवर्गीय व्यक्तिवाद : अहं (सेल्फ) की अनुभूति और उदय।
- संस्कृत की लोकधर्मा प्रगीत परंपरा और हिन्दी प्रगीतः परंपरा में निरंतरता एवं परिर्वतन।
- प्रगीतों का उद्भवः सामाजिक उत्प्ररेकों की भूमिका और प्रगीत रूप।
- प्रगीतों का सामाजिक महत्त्व एवं ऐतिहासिक मूल्यवत्ता। भूमिका।

आत्मकथा

- आत्मकथा लेखन का आरम्भिक प्रयोजन और प्रेरक तत्त्व।
- स्त्री अस्मिता और दलित अस्मिता का उभारः 'स्व' की पहचान (आत्मकथाओं में अभिव्यक्ति समाज और इतिहास)।
- आत्मकथाओं की बनावट एवं रूप।
- आत्मकथाओं में अभिव्यक्ति समाज और इतिहास।
- कुछ विशिष्ट आत्मकथाओं का अध्ययन एवं उनके साहित्यिक एवं सामाजिक मूल्य का आकलन (रवीन्द्रनाथ टैगोर की 'आत्मकथा' एवं महात्मा गाँधी का 'भई एक्सपंरामंट विद ट्रुथ' का तुलनात्मक अध्ययन।)

अनुमोदितग्रंथ

1. निर्मला जैन : साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली, वि.वि. 1986

2. अन्स्ट् फिशर : कला की जरूरत, राजकमल, न.दि. 1990

3. नामवर सिंह (संपा.) : कार्ल मार्क्सः कला और साहित्य चिंतन, राजकमल, न. दि. 1991

4. हजारी प्रसाद द्विवेदी : साहित्य सहचर, नैवेद्य निवेतन, वाराणसी, 1968

5. अभय कुमार दुबे (संपा.): आधुनिकता के आइने में दलित, वाणी, न.दि. 2005

6. जार्ज लूकाज : उपन्यास का सिन्द्धात, मैक्मिलन, न.दि. 1981

7. अर्नाल्ड हाउजर : कला का इतिहास दर्शन, ग्रंथ शिल्पी, न.दि. 2001

HIN B08 - हिन्दी– दलित एवं आदिवासी साहित्य

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4X10)

1. भारतीय अमाज और दलित : अध्ययन की प्रविधि (अ) दलितत्थान और अंबेडकर, (ब) अछूतोद्धर और गॉधी (स) दलित वर्ग और मार्क्सवाद।

2. दलित साहित्य : दलित अस्मिता का पुनराख्यान मराठी और हिन्दी/दलित और स्त्री प्रश्न।

3. स्वाधीनता आंदोलन और आदिवासी साहित्य।

प्रस्तावित अध्ययन का पाठः

आत्मकथाः अपने–अपने पिंजरेः मोहनदास नैमिशराय

कविताएँः प्रथम पाँच कविः पुस्तकः दलित चुतना कविता, नवलेखना प्रकाशन, हजारीबाग, सं. रमर्णिकाा पुप्ता 1996 से।

'दलित चेतना–कविता' –पुस्तक से सं. रमणिका' गुप्ता नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग, 1996

(कुल 10)

1. हीरा डोम : 'अछूत की शिकायत'
2. ओम प्रकाश वाल्मीकिः 'बस्स बहुत होचुका वह मैं हूँ'
3. कँवल भारती : 'राम्बूक'
4. सूरज पाल चौहान : 'मेरा गाँव' कलात्मक के नाम पर

5. सुशीला टाकभौरे : 'घर की चौखट से बाहर' 'उगते अंकूर की तरह जीओ'
6. प्रज्ञा लोखंडे : 'अमीना (मराठी) (वसुधा पत्रिका से अंक 58, जू. सि. 2003)
7. जयंत परमाप (गुजराती): मैंने माँगा था एक घर (वसुधा पत्रिका से अंक 58, जू. सि. 2003)

कथा साहित्यः कहानियाँ

'दलित कहानी संचयन' से सं. रमणिका मुप्ता, साहित्य अकादमी, न. दि. 2003 (कुल 10)

1. रतन कुमार सांभरिया : 'फुलवा', 'बूढी' (हिन्दी)
2. नीरा परमार : 'वैतरणी' (हिन्दी)
3. बी.एल. नायर : 'चतुरीचमार की चाट' (हिन्दी)
4. बोया जंगय्या : 'पंरती जमीन'(तेलगु)
5. शरण कुमार निंबाले : 'जाति न पूछो' (मराठी)
6. गुरमीत कड़ियालवी : 'हकुरोड़ी और रेहड़ी' (पंजाबी)

उपन्यास

1. हरिराम : धूणी तपे तीर साहित्य उपक्रम, इलाहाबाद, दिसं. 2010

अनुमोदित ग्रन्थः–

1. महात्मा ज्योतिबा फुले रचनावली (1,2)– अनु एवं सं. – डॉ0 जी मेश्राम 'विमलकीर्ति' राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संशोधित संस्करण 1996
2. डॉ0 अम्बेडकर : संपूर्ण वाड्मय, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली, 1993
3. काशीराम : चमचा युग (अनु. एस. एा. गौतम), सिद्धार्थ बुक्स, द्वितीय संस्करण, दिल्ली, 2007
4. आचार्य आनन्द झा : चार्वाकदर्शन, उ0प्र0 हिन्दी संसथान प्रभाग, लखनऊ, द्वितीय संस्करण, 1993
5. रामशरण शर्मा : शूद्रों का प्राचीन इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992

6. मधुलिमये : अम्बेडकर एक चिन्तन (अनु. मस्तराम कपूर), पटेल एजुकेशन सोसायटी, नई दिल्ली, 1999

7. राजकिशोर (सं.) : हरिजन से दलितः वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1994

8. ओमप्रकाश वाल्मीकि : दलित साहित्य का सौदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006

मुख्यधारा और अलित साहित्य, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006

9. शरण कुमार लिबाले : दलित साहित्य का सौदर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2005

10. कबल भारती : दलित विमर्श की भूमिका, इतिहासबोध प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002

दलित साहित्य की अवधारणा बोधिसत्व प्रकाशन रामपुरा (उ.प्र.) 2006

सं.–दलित निर्वाचित कविताएं , इतिहासबोध प्रकाशन इलाहाबाद 2006

11. डॉ0 चन्द्र कुमार वरठे: दलित साहित्य आंदोलन, रचना प्रकाशन, जयपुर, प्रथम संस्करण, 1997

12. अजय कुमार(सं.) : दलित पैंथर आंदोलन, गौतम बुक सेन्टर, शाहदरा, दिल्ली, 2006

13. डॉ0 विमल थोरत : मराठी दलित कविता और साठोत्तरी हिन्दी कविता में सामाजिक आर राजनीतिक चेतना, हिन्दी बुक सेन्टर, नई दिल्ली, 1996

दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली, 1880

डॉ0 विमल थोरात, उॉ0 सूरज बड़त्या (सं.): दलित कविता ाक विद्रोही स्वर, रावत प्रकाशन, 2008

14. डॉ0 तेजसिंह : आज का दलित साहित्य, अतिश प्रकाशन, नई दिल्ली, 1997

अम्बेडकरवादी साहित्य का समाजशास्त्र, किताबघर, नई दिल्ली, 2005

15. चमनलाल (सं.) : दलित और अश्वेत साहित्यः कुछ विचार इंडियन इस्टिटीयूट आफॅ एडवांस स्टडी, शिमला, 2002

दलित साहित्य एक मूल्यांकन, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली 2002

16. पुरूषोत्तम अग्रवाल : संस्कृतिः वर्चस्व और प्रतिरोध, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1995

17. डॉ0 पुरूषोत्तम सत्यप्रेमीः दलित साहित्य और सामाजिक न्याय, कंचन प्रकाशन, विश्वास नगर, दिल्ली, 1996

18. ईशकुमर गंगानिया : अम्बेडकरवादी साहित्य विमर्श, किताबघर, नई दिल्ली, 2007

19. डॉ0 एन. सिंह : मेरा दलित चिंतन, कंचन प्रकाशन, विश्वास नगर, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1998

20. श्यौराज सिंह 'बेचैन' : चिंतन की परपम्रा और दलित साहिय नवलेखन प्रकाशनख हजारीबाग, 2001–01

21. रजतरानी मीनू : नवें दशक की हिन्दी कविता, दलित साहित्यप्रकाशन संस्था, नई दिल्ली, 1996

22. रमणिका गुप्ता : स्त्री नैतिकता का तालिबानीकरण, शिल्पायन, 2008

(सं.) दलित चेतना सोच, नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग, 1998

23. डॉ0 धर्मवीर : कबीर के आलोचक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1997

कबीरः बाज भी, पपीहा भी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2003

कबीर के कुछ और आलोचक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004

24. अभय कुमार दुबे(सं.) : आधुनिकता के आइने में दलित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002

25. शिवबाबू मिश्र : जूठन एक विमर्श, शब्दसृष्टि, दिल्ली,2006

26. माता प्रसाद (सं.) : लोकगीतों मे वेदना और विद्रोह के स्वर, सम्यक प्रकाशन, पश्चिमपुरी, नई दिल्ली, 2007

27. सूरजपाल चौहान (सं.): हिन्दी के दलित कथाकारों की पहली कहानी, अनुभव प्रकाशन गजियाबाद, दिल्ली, 2004

28. हरपाल सिंह 'अरूष' : दलित साहित्य की भूमिका, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2005

29. डॉ0 विवेक कुमार : दलित समाजः पुरानी समस्याएं नई आकांक्षाएं (एक समाजशास्त्रीय अवलोकन), सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007

आजादी का आंदोलन मूल निवासी पब्लिकेशन ट्रस्ट, नई दिल्ली, क्षितीय संस्करण, 2003

30. कांचा ऐलय्या : मैं हिन्दू क्यों नहीं (अनु. ओम प्रकाश वाल्मीकि), साम्य प्रकाशन, कोलकाता, प्रथम संस्करण, 2006

31. Walter Fernandes (ed): The Emerging Dalit Identity, Indian Social Institute, New Delhi, 1996

32. Dangle, Arjun (ed) : Poisoned Bread: Translation from Modern Marathi Dalit Literature, New Delhi, Orient, Longman, 1992

33. N.D. Kamble : The Deprived Class and There Struggle for Equalit. Ashish Publishing House, New Delhi, 1982

34. Barbara Joshi (ed) : Untouchable Voices of Dalit Liberation Movement, Select Service Syndicate, New Delhi, 1986

35. Eleanor Zelliot : From Untochable to Dalit, Manohar Publication, New Delhi, 1992

36. Gail Omewedt : Dalit Visions, Orient Longman, New Delhi, 1995

37. Sharmila Rege : Writing Caste/Writing Gender: Narrating Dalit Woman's Testimonios, Zubaan, New Delhi, 2006

38. Malashri Lal, Sharmistha: Signifying the Self, Women and Literature Naenillan Indian, Ltd, 2004 Panjab, Sumanyu Satpathy (eds)

39. Du bois W.E.B : The Soul of Black Flok., New York Literary Classic of the United States, 1986

40. Houston A. Baker jr. Blues: Ideology and Afro-American Literature (Chicago andn London) The University of Chicago Press, 1984

41. बद्री नारायण (संपा.) : दलित वैचारिक की दिशाएँ, राधाकृष्ण, न.दि. 2008

पत्रिकाएँ:–

- ❖ 'अपेक्षा' सम्पादक – डॉ0 तेजसिंह, दिल्ली,
- ❖ 'अम्बेडकर इन इंडिया', सम्पादक–दयानाथ निगम देवरिया, उ0प्र0
- ❖ 'दलित साहित्य वार्षिकी (1999 से 2007)', सम्पादक – जयप्रकाश कर्दम, अकादमिक प्रतिभा, प्रकाशन, दिल्ली
- ❖ 'डॉ0 अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका', डॉ0 अम्बेडकर राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थान, महू (म.प्र.)
- ❖ 'हंस, कथादेश', दिल्ली
- ❖ उत्तर प्रदेश: दलित साहित्य विशेषांक, सिम्तबर– अक्टूबर, 2002 संपा. विजयराय (लखनऊ.)

विशेषांक:–

हंस–सत्ता विमर्श और दलित, अगस्त 2004,

'वसुधा'– दलित विशेषांक, अंक–58

आर्यकल्प, अम्बेडकर विशेषांक, जनवरी 2008, अंक 1 संपा. अवधेश नारायण मिश्र

दलित आलोचना:–

1. दलित चेतना: साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार, समीक्षा प्रकाशन, दिल्ली 2001
2. दलित हस्तक्षेप (सं.पा): ओम प्रकाश वाल्मीकि, शिल्पायन, न.दि. 2004